गीता-भगवान् की वाणी

गीता की यह एक मुख्य विशेषता है कि वह आत्मा और परमात्मा के मिलने के मार्ग का अर्थात् योग का सविस्तार परिचय देती है। गीता में आत्मा को न केवल योग के लिए प्रेरित और उत्साहित किया गया है बल्कि उसमें योग की विधि और योग से प्राप्त होने वाली सिद्धि यहाँ तक कि योग की पूर्ण सिद्धि प्राप्त होने से पहले शरीर छूट जाने पर भी प्राप्ति का बोध कराया गया है और सच्चे योगी के लक्षण क्या हैं, योगी की दृष्टि, वृत्ति, स्मृति और स्थिति क्या होनी चाहिए, उसे किन नियमों का पालन करना चाहिए और कौन-कौन से दैवी गुण धारण करने चाहिए, यह ऐसे मनोरम तरीके से बताया गया है कि इसे बार-बार पढ़ने और सुनने का मन करता है और मनुष्य का मन ऐसी स्थिति प्राप्त करने को लालायित हो उठता है। बिना वायु के स्थान पर जैसे दीप शिखा स्थिर रहती है, वैसे ही मन उस परमपिता परमात्मा की स्मृति में कैसे स्थिर हो और उस अभ्यास के मार्ग में आने वाले विघ्नों को कैसे पार किया जाये, इसका भगवान् ने विस्तारपूर्वक वर्णन किया है। गीता की त्रिवेणी की यह तीसरी धारा है जो मनुष्य के मन को शीतलता प्रदान करती है और पवित्र बनाती है।

इस प्रकार, गीता न केवल एक दर्शन-ग्रन्थ है बल्कि एक सर्वोत्तम नीति-शास्त्र भी है, एक योग-शास्त्र भी है और जीवन-दर्शन प्रशस्त करने वाली भी है। स्वयं गीता के हरेक अध्याय के अन्त में गीता को एक योग-शास्त्र और उपनिषद भी कहा गया है।

गीता-भगवान् की वाणी

परन्तु इन सब के अतिरिक्त गीता की सर्व प्रमुख विशेषता, जो अन्य किसी में भी नहीं है, वह यह है कि गीता-ज्ञान स्वयं भगवान् ने दिया और इसलिए इसका युक्ति-युक्त नाम 'श्रीमद्भगवद्गीता' है और इसके वक्ता के लिए गीता में 'भगवानुवाच' शब्दों का उल्लेख है। जो स्वयं भगवान् की वाणी हो, वह निश्चय ही 'सत्यं, शिवं और सुन्दरम्' होगी ही और सब शास्त्रों में शिरोमणी भी कहलायेगी ही। यों तो संसार में हरेक धर्म-सम्प्रदाय का अपना-अपना शास्त्र है परन्तु गीता की यह विशेषता है कि वह किसी सम्प्रदाय का प्रतीक न होकर एक सार्वभौम और शाश्वत धर्म का शास्त्र है क्योंकि वह सर्व धर्मों की आत्माओं के परम पिता परमात्मा की वाणी है। यही कारण है कि भारत में सभी धर्म सम्प्रदायों के अनुयायी गीता को मान देते हैं। यहाँ तक कि भारत से बाहर जो धर्म स्थापित हुए, वे भी गीता की महानता को स्वीकार करते हैं। अतः न केवल भारत में ही सभी आचार्यों ने गीता को सर्वोत्तम मान कर इस पर टीका लिखी है बल्कि ईसाई धर्म को मानने वाले कई दार्शनिकों ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की है। उदाहरण के तौर पर आल्डॉस हक्सले ने कहा है कि संसार में जितने दर्शन-ग्रन्थ हैं, गीता उनमें सबसे स्पष्ट और सबसे अच्छा सुसंगत आध्यात्मिक विवरण है। गीता के एक शाश्वत धर्म शास्त्र होने के कारण ही इसके अनुवाद देश-विदेश की प्रायः हर मुख्य भाषा में हुए हैं और यह इतनी लोकप्रिय है

ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

कि घर-घर में लोग इसका पारायण करते हैं। महात्मा गाँधी ने कहा है कि मुझे भगवद्गीता से ऐसी सांत्वना मिलती है जो बाइबल के सरमन ऑन दि माउंट से नहीं मिलती। वे कहते हैं कि जब जीवन में मुझे निराशा होती है और प्रकाश की कोई किरण नहीं दिखाई देती तब मैं गीता ही की शरण लेता हूँ। स्वयं आद्य शंकराचार्य ने भी कहा है कि गीता सभी वेदों शास्त्रों का सार है और इससे सभी पुरुषार्थ सिद्ध होते हैं। डॉ. राधाकृष्णन् ने गीता पर अपनी टीका में बताया है कि गीता का बुद्ध धर्म की महायान शाखा पर विशेष प्रभाव पड़ा और चीन, जापान तथा जर्मनी में भी इसका विशेष प्रभाव पड़ा।

गीता का महत्व कम होने का कारण

अतः यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि जैसे भारत भगवान् की अवतार भूमि है, जैसे शिवरात्रि महारात्रि है, जैसे माला का मेरु और फूल सर्व प्रमुख हैं, वैसे ही सभी शास्त्रों में गीता स्वयं भगवान् की अमृतवाणी होने के नाते सभी शास्त्रों की जननी है और यह सर्व शास्त्र शिरोमणि है। परन्तु दो भूलें हो जाने के कारण लोगों की दृष्टि में इसकी महानता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए। एक तो यह कि वास्तव में गीता ब्रह्मा, विष्णु, शंकर के भी रचयिता, देवों के भी देव, सभी आत्माओं के परमप्रिय माता-पिता ज्योर्तिबिन्दु परमात्मा ही की वाणी है जिन्हें कल्याणकारी होने के कारण 'शिव' कहा जाता है और जिनका ही एक गुणवाचक नाम 'कृष्ण' है क्योंकि वे सबके लिए आकर्षणमूर्त हैं और आनन्द के सागर हैं, परन्तु समयान्तर में भ्रान्ति वश लोगों ने उसे विष्णु के साकार रूप श्री कृष्ण की वाणी मान लिया। यदि सभी लोगों को यह मालूम होता कि गीता ज्योति स्वरुप, जन्म-मरण से न्यारे परमपिता परमात्मा की वाणी है तो सभी धर्मों के लोग उसे शिरोधार्य करते और परमात्मा के स्वरुप के बारे में आज इतने मत-मतान्तर न होते।

दूसरी भूल यह हुई कि भगवान् ने काम, क्रोध, लोभादि विकारों के विरुद्ध ज्ञान-बल और योग-बल से होने वाला जो युद्ध सिखाया, उसके स्थान पर समयान्तर में लोगों ने एक हिंसक युद्ध मान, गीता पर हिंसा का दोष लगा दिया। यदि लोगों को यह मालूम होता कि गीता-ज्ञान विकारों से युद्ध कर भारत को स्वर्ग बनाने के लिए दिया गया था और गीता के बाद अहिंसक दैवी सम्प्रदाय और सतयुग की स्थापना हुई थी तो लोग गीता की मत पर चल कर मनुष्य से देवता बनने का पुरुषार्थ करते और यह भारत फिर से स्वर्ग बन जाता। इससे भारतवासियों को यह भी याद रहता कि एक गीता ही हमारा धर्म-शास्त्र है जिसका ज्ञान परमपिता परमात्मा ने ब्रह्मा द्वारा देकर सतयुग की और आदि सनातन देवी-देवता धर्म की स्थापना कराई थी।

निष्कर्ष यह है कि गीता सब शास्त्रों की माता है, गीता श्री कृष्ण की भी माता है। ज्योति स्वरुप परमात्मा ही सर्व आत्माओं के परमपिता हैं। उन्हीं परमपिता ने हम सब आत्माओं रुपी वत्सों के कल्याण के लिए गीता-ज्ञान दिया और वर्तमान धर्म-ग्लानि के समय अब वे फिर से गीता-ज्ञान देकर हम सबको कृतार्थ कर रहे हैं। यह आशा करते हुए कि प्रभु-प्रेमी बहनें और भाई अब उस सर्वोत्तम ज्ञान से अपना जीवन श्रेष्ठ बनायेंगे और जीवन में अपना ईश्वरीय जन्म सिद्ध अधिकार प्राप्त करेंगे। हाँ, यह कह दूँ कि विश्व में विकट परिस्थितियाँ आने में अभी थोड़ा ही समय शेष है और हमें चाहिए कि हम इसी बीच के समय में इस ईश्वरीय ज्ञान द्वारा अपने जीवन को सफल बना लें।

मुम्बई-राजभवन। महाराष्ट्र के राज्यपाल महामहिम भगत सिंह कोश्यारी राजयोग के प्रचार-प्रसार के लिए ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके को 'ट्रेंडसेटर 2022' पुरस्कार से सम्मानित करते हुए। साथ हैं सुप्रसिद्ध पार्श्वगायक कुमार सानू।

ग्वालियर-लश्कर(म.प्र.)। नगर निगम सीमा क्षेत्र में आमजनों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करने तथा स्वच्छता में सहभागिता हेतु नगर पालिका निगम ग्वालियर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण 2022 के तहत वार्ड 50 से स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. आदर्श बहन एवं वॉर्ड 57 से ब्र.कु. प्रहलाद भाई तथा ब्र.कु. डॉ. गुरचरण भाई को पूरे नगर निगम सीमा क्षेत्र में स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर मनोनीत किया गया। अटल सभागार जीवाजी विश्व विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त और प्रशासक आशीष सक्सेना, नगर निगम आयुक्त किशोर कन्याल एवं अपर आयुक्त ने ब्र.कु. आदर्श बहन एवं ब्र.कु. प्रहलाद को प्रमाण पत्र प्रदान किया। इस मौके पर वार्ड मॉनिटर, स्वच्छता प्रभारी, जोनल ऑफीसर सहित शहर के अन्य जनप्रतिनिधि एवं ब्रांड एम्बेसडर उपस्थित रहे।

राजकोट-रणछोड़ नगर(गुज.)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' प्रोजेक्ट के अंतर्गत 86वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में केक काटते हुए गुजरात ज़ोन की डायरेक्टर राजयोगिनी ब्र.कु. भारती दीदी, मांडवरायजी मंडली के मैनेजर जगदीश भाई चोवटिया, पी.डब्ल्यू.डी. की सीनियर क्लर्क जयश्री बहन मेहता, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शीतल बहन, ब्र.कु. रेखा बहन, ब्र.कु. रमा बहन तथा अन्य।

भादरा-राज.। स्वामी नर्सिंग होम हॉस्पिटल में आध्यात्मिक प्रवचन देने के पश्चात् एमडी डॉ. सुरेश स्वामी व एमबीबीएस डॉ. ललिता स्वामी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चंद्रकांता बहन। साथ हैं ब्र.कु. भगवती बहन तथा हॉस्पिटल स्टाफ।

भीनमाल-राज.। जालोर महोत्सव 2022 में ब्रह्माकुमारीज़ के भीनमाल राजयोग सेवाकेन्द्र की झाँकी को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। स्थानीय विकास भवन में आयोजित भव्य कार्यक्रम में ब्र.कु. गीता बहन को सर्टिफिकेट और ट्रॉफी देते हुए एसडीएम जवाहराराम चौधरी, डीवाईएसपी सीमा चोपड़ा, कार्यक्रम प्रभारी संदीप देवासी, नगर पालिका ई.ओ. आशुतोष आचार्य तथा अन्य गणमान्य लोग।

नई दिल्ली-करोल बाग(पाण्डव भवन)। 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के तहत 'सशक्त मन से खेलेगा इंडिया तो जीतेगा इंडिया' विषयक कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित हैं राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा बहन,डायरेक्टर,करोल बाग सेवाकेन्द्र, राजकुमार जी,किशनगंज रेलवे रेसलिंग एकेडमी के मैनेजर,ध्यानचंद अवॉर्डी, ब्र.कु. विजय बहन,स्पोर्ट्स विंग मेम्बर, ब्र.कु. ज्योति भाई,पैरा स्पोर्ट्स के ज्वाइंट सेक्रेट्री, सोहन लाल अटल,एनआईएस कोच ऑफ मार्शल आर्ट्स, डॉ. विनीत मेहता,डायरेक्टर ऑफ फिज़िकल एजुकेशन,श्री राम कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स, सुनीता खुराना,रॉक बॉल गेम की वाइस प्रेसीडेंट, निर्भय कुमार,एथलेटिक कोच इंडिया नेवी स्पोर्ट्स तथा अन्य।

दिल्ली-इंद्रपुरी। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न चैतन्य झाँकियों के आयोजन सहित तीन हज़ार दो सौ किलो बर्फ के विशाल शिवलिंग का भी निर्माण किया गया।

धूरी-पंजाब। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केक काटते हुए ब्र.कु. मूर्ति बहन, बरनाला सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ब्रिज बहन, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. सुदर्शन बहन, ब्र.कु. सुशीला बहन, ब्र.कु. सुनीता बहन तथा अन्य। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में सेवानिवृत्त डीपीआरओ मनजीत सिंह बख्शी, कैम्ब्रिज स्कूल की वाइस प्रिन्सीपल मिनाक्षी सक्सेना, एडवोकेट जसवीर रतन, तरसेम मित्तल, मदन लाल बंसल, परवीन गुप्ता, मदन वर्मा, मनवीर सिंह, अशोक कुमार, सुशील कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग शामिल रहे।

फाज़िल्का-पंजाब। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर शिव ध्वज के नीचे प्रतिज्ञा करते हुए मुख्य अतिथि संत जगदीश मुनी, हनुमान मंदिर के प्रधान देवेन्दर सचदेवा, वरिष्ठ पत्रकार लीलाधर शर्मा, राकेश नागपाल, ब्र.कु. प्रिया बहन, ब्र.कु. शालिनी बहन तथा अन्य भाई-बहनें।

कलान-शाहजहाँपुर(उ.प्र.)। माघ मेला रामनगरिया में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित 'महिला सशक्तिकरण, संत सम्मेलन एवं किसान सशक्तिकरण' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्षा ब्र.कु. सरोज बहन, क्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. करुणा बहन, संचालिका ब्र.कु. रीना बहन, मुख्य अतिथि कलान ब्लॉक प्रमुख रामगोपाल वर्मा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों सहित बड़ी संख्या में भाई-बहनें उपस्थित रहे।